महत्वपूर्ण एवं खास

विदेश यात्रा की जानकारी छिपाने के खिलाफ 33 प्रकरण दर्ज

रायपुर (आरएनएस)। लॉक डाउन, क्वारनटाईन उल्लंघन व विदेश यात्रा की जानकारी छिपाने पर पुलिस अब सख्त हो गया है। राज्य पुलिस ने सभी जिलों में इस तरह के मामलों की पड़ताल की तथा विभिन्न जिलों की पुलिस ने अपने-अपने यहां इस तरह के अपराध दर्ज कर लिया है। सूत्रों ने बताया कि विदेश यात्रा की जानकारी छिपाने के मामले में जहां राजधानी रायपुर में 1, गरियाबंद में 2, धमतरी में 1, महासमुंद 1, बलौदाबाजार में 3, दुर्ग में 6, बेमेतरा में 1, बालोद में 1, बिलासपुर में 5, मुंगेली में 1, रायगढ़ में 1, जांजगीर-चाम्पा में 1, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में 1, सरगुजा में 1, कोरिया में 1, सूरजपुर में 2, बस्तर में 1, कोंडागांव में 2, बीजापुर में 1 अपराध दर्ज किया गया है। पुलिस द्वारा आईपीसी की धारा 188, 269, 270 के तहत अपराध दर्ज किए गए हैं।

जुआरियों से 34 सौ 80 रुपये की राशि जब्त

रायपुर (आरएनएस)। अभनपुर थाने से मिली जानकारी के अनुसार रवि चेलक आयु 28 वर्ष पिता पंचलाल चेलक निवासी एनटीआई कैंप ग्राम भरेंगा भाठा एवं उसके तीन अन्य साथियों द्वारा खुलेआम 52 पत्ती खेलते समय मौके पर पहुंचकर 34 सौ 80 रुपये की राशि जब्त की। आरोपियों को जुआ एक्ट 13 के तहत पुलिस ने तत्काल गिरफ्तार किया। जांच जारी है।

पैसा लेकर पशु आहार की आपूर्ति नहीं करने वालों के खिलाफ मामला दर्ज

रायपुर (आरएनएस)। लाक डाउन के दौरान शहर में कलेक्टर द्वारा निर्धारित समय में ही इन दिनों दुकानें शहर में खोली जा रही है। वहीं लॉकडाउन की आड़ में पैसा लेकर सामान आपूर्ति नहीं किये जाने की जानकारी कबीर नगर थाने से मिली है। मिली जानकारी के अनुसार राकेश यदु आयु 41 वर्ष पिता रामबगस यदु निवासी राहुल पशु आहार तेंदूआ रोड से आरोपी भूपेंद्रपाल आयु 30 वर्ष पिता छोटेलाल पाल निवासी कबीर नगर से प्रार्थी द्वारा 750 रुपये लेकर पैरा कुट्टी नहीं भेजा गया। माल नहीं मिलने पर प्रार्थी राकेश यदु ने जब भूपेंद्र पाल से सामान क्यों नहीं दिया पूछा तो आरोपियों द्वारा उसके साथ जमकर मारपीट की गई। हत्या करने के इरादे से लोहे की राड से उसके सिर पर प्राणघातक हमला किया गया साथ ही उसे ज्यादा बात करने पर जान से मारने की धमकी दी। उक्त मामले में कबीर नगर थाने ने आरोपियों के खिलाफ 294, 506, 307 एवं 323 के तहत मामला कायम किया है।

सजा पूरी करने, पैरोल और अंतरिम जमानत पर रिहा हुए 390 कैदी

रायपुर (आरएनएस)। कोरोना वायरस की रोकथाम के हेतु राज्य की विभिन्न जेलों से अब तक कुल 390 कैदियों को छोड़ा जा चुका है। जिनमें से 302 कैदियों को अंतरिम जमानत पर, 79 कैदियों को पैरोल पर और 9 कैदियों को सजा पूरी करने पर विभिन्न जेलों से छोड़ा गया है। उल्लेखनीय है कि कोरोना वायरस की रोकथाम हेतु जेलों में कैदियों की संख्या कम करने का निर्णय लिया गया था। जिससे जेलों में बंद कैदियों में कोरोना वायरस का खतरा कम किया जा सके।

शहर के 48 वार्डों मे 48 स्प्रे मशीन से होगा सैनेटाइजिंग

जगदलपुर (आरएनएस)। नगर पालिका निगम जगदलपुर के द्वारा 48 वार्डो के लिये कोरोना वायरस के बचाव के लिये स्प्रे मशीन वार्ड प्रभारी को दिया गया जिनके द्वारा वार्डों मे मशीन से छिड़काव किया जायेगा। आज से शहर के 48 वाडो मे 48 स्प्रे मशीन से सैनेटाइजिंग का कार्य किया जायेगा। इसके शुभारंभ के दौरान महापौर सफीरा साहू, हेमंत श्रीवास, अजय बनिक, दामोदर व अन्य उपस्थित थे।

लाकडाउन में गुटका,जर्दा सामग्री होम डिलवरी करते एक पकड़ाया

रायपुर (आरएनएस)। भारत मे इन दिनों सरकार ने कोरोना वायरस से निपटने के लिए 21 दिनों का लाकडाउन की घोषणा की है । छत्तीसगढ़ में लॉकडाउन के दौरान भी नशे की लत के शिकार लोग दुकानदारों के लिए कमाई का जरिया बन रहे हैं।प्रदेश में अनावश्यक वस्तुओं की बिक्री पूरी तरह बैन है. ऐसे में गुटखा के लत से परेशान लोगों ने नया तरीका अपना लिया है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल खाद्यान्न आपूर्ति के लिए बनाए गए कंट्रोल रूम का लिया जायजा

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज लाकडाउन के दौरान आवश्यक वस्तुओं, खाद्यान्न एवं सब्जियों की उचित मूल्य की उपलब्धता का जायजा लेने स्वयं राजधानी रायपुर की सड़कों पर निकले।

मुख्यमंत्री ने रावणभाटा स्थित अन्तर्राज्यीय बस स्टैंड के पास सब्जी विक्रेताओं एवं खरीददारों से बातचीत कर सब्जी के दाम एवं विक्रय की जानकारी ली। इसके बाद मुख्यमंत्री ने बूढ़ा तालाब के पास इंडोर स्टेडियम में जरूरतमंद, बेसहारा और असहाय लोगों के लिए खाद्यान्न आपूर्ति के लिए कंट्रोल रूम और आपात कालीन फूड सप्लाई सेल का जायजा लिया। यह फूड सप्लाई सेल, जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में स्वयं सेवी संस्थाओं और संगठनों की मदद से 24 घंटे कार्य कर रहा है और बना हुआ भोजन जरूरतमंद लोगो को वितरित कर रहा है। इस व्यवस्था में करीब 140 स्वयं सेवी संगठन और करीब 5 हजार वालेंटियर्स लगे हुए है। उन्होने इस कार्य की व्यापक सराहना की।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने नया अंतर्राज्यीय बस स्टैंड परिसर में स्थापित किए गए सब्जी बाजार में सब्जी विक्रेताओं से बातचीत की ।

उन्होने खरीददारो से विक्रेताओं से सब्जियों के रेट जाने। सब्जी विक्रेताओं ने बताया कि साइंस कॉलेज मैदान में थोक मार्केट लगा है वहां से सब्जियां लाकर बेचते हैं । मंडी में आलू प्याज करीब 30 रूपये किलो है और सब्जियों के दाम भी कम हो गए हैं।उल्लेखनीय है कि रायपुर के टिकरापारा, संतोषी नगर , नंदी चैक और भांटा गांव के अव्यवस्थित तथा भीड-भाड वाले बाजारो को बंद कर ने नया अंतर्राज्यीय बस स्टैंड परिसर में सोशल डिस्टेंसिंग मेंटेन कर बाजार लगाया जा रहा हैं। इंडोर स्टेडियम के कंट्रोल रूम में अधिकारियों- कर्मचारियों ने बातचीत में बताया कि जैसे ही कोई सूचना मिलती है वैसे ही भोजन आदि की व्यवस्थाएं की जा रही है । दानदाताओं से मिल रही राशन सामग्री के किट भी तैयार किए जा रहे हैं जिन्हें जरूरतमंद लोगों और श्रमिकों को वितरित किया जाएगा। राष्ट्रीय आजीविका मिशन के अंतर्गत सेल्फ हेल्प ग्रुप द्वारा मास्क तैयार किए जा रहे है । इन्हें भी वितरित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कल से राशन दुकानों से 2 माह के चावल का वितरण प्रारंभ कर दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ के जो लोग या श्रमिक बाहर गए हैं , उनसे अपील की है कि वे जहां है ,वही रहे उनके लिए सभी व्यवस्थाएं स्थानीय जिला प्रशासन के माध्यम से सुनिश्चित की जाएगी ।उन्होने प्रदेशवासियों से भी अपील की कि वे लॉकडाउन का पालन करे और अपने घरो मे ही रहे। उन्हें सभी आवश्यक सामाग्रियां उपलब्धा होते रहेगी।

भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री ने कलेक्टर डॉ. एस. भारतीदासन और एसपी मो. आरिफ शेख, नगर निगम रायपुर के कमिश्नर सौरभ कुमार ,जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. गौरव सिंह से व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली।

रायपुर रेल मंडल ने बनाया आइसोलेशन-क्वारेंटाइन वार्ड

रायपुर (आरएनएस)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल में रेलवे चिकित्सालय विभाग द्वारा कोरोना वायरस, कोविड-19 को लेकर सतर्कता एवं आपात स्थिति से निपटने की तैयारी की जा रही है । रायपुर रेल मंडल के चिकित्सालय में आने वाले मरीजों के इलाज को लेकर काफी सतर्कता बरती जा रही है । एक आइसोलेटेड फीवर क्लीनिक बनाया गया है। जिसमें बुखार से सम्बंधित व्यक्तियों की अलग जांच की जाती है, इनका ब्लड टेस्ट किया जाता है और आपात स्थिति एवं परिवार की विदेश की हिस्ट्री होने पर एम्स रेफ र किया जा रहा है। रायपुर रेल मंडल ने अपने अधिकारियों एवं कर्मचारियों फील्ड स्टाफ सभी को कोरोना वायरस से बचाव के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं एवं उनका पालन हो रहा है लॉक डाउन की स्थिति में केवल अति आवश्यक कार्य जैसे मालगाड़ी परिचालन, कंट्रोल रूम सिगनलिंग, रेलवे ट्रैक एवं मालगाड़ी मेंटेनेंस से संबंधित कार्यो को ही कराया जा रहा है इसमें लगे स्टाफको सैनिटाइज एवं मास्क उपलब्ध कराए हैं। कॉलोनियों में प्रतिदिन कीटनाशक छिड़काव किए जा रहे हैं रेलवे चिकित्सालय में आइसोलेशन वार्ड एवं 24 घंटे आपातकालीन कक्ष बनाया गया है। रेलवे चिकित्सकों एवं मेडिकल स्टाफको वेंटिलेटर प्रैक्टिकल ट्रेनिंग भी दी। रायपुर रेल मंडल में लगभग 200 क्वारेंटाइन बेड बनाये जा रहे है। 23 क्वारेंटाइन बेड रेलवे सुरक्षा बल बैरैक में एवं 30 बेड इंजीनियरिंग कॉलोनी खारून में 25 बेड बीएमबाय भिलाई में, एवं दुर्ग, दल्लीराजहरा में भी क्वारेंटाइन बेड बनाने की तैयारी है।

3 घंटे के भीतर सामुदायिक केंद्र में बना दिया राहत शिविर

» दूसरे राज्यों की ओर जा रहे थे मजदूर » स्वास्थ्य परीक्षण भी कराया गया

दुर्ग (आरएनएस)। दुर्ग रायपुर सीमा पर कुम्हारी नाके के पास जांच दल को मध्यप्रदेश-ओडिसा के मजदूर लॉक डाउन के दौरान जाते दिखे। इसकी जानकारी होते ही कलेक्टर अंकित आनंद के निर्देश पर एसडीएम दिव्या वैष्णव ने कुम्हारी पहुंचकर इनके रहने और खाने पीने की व्यवस्था 3 घंटों के भीतर कराई। इसमें कुम्हारी नगरपालिका अध्यक्ष राजेश्वर

सोनकर एवं उपाध्यक्ष रवि अन्ना की भी विशेष भूमिका रही।

कुम्हारी के सामुदायिक भवन को सैनीटाइज किया गया। गद्दों की व्यवस्था की गई। 15 दिनों के लिए राशन की व्यवस्था की गई। साथ ही आइसोलेशन का भी पूरा ध्यान रखा गया। इसके साथ ही इनका स्वास्थ्य परीक्षण भी कराया गया तथा सुरक्षा व्यवस्था भी उपलब्ध कराई गई। कोरोना संक्रमण की रोकथाम को लेकर पूरा जिला अलर्ट मोड में है। साथ ही इस बात का भी ध्यान रखा जा रहा है कि लॉक डाउन के दौरान लोगों को असुविधा का सामना न करना पड़े और उनके खाने पीने की उचित व्यवस्था होती रहे।

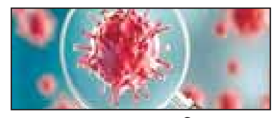

छत्तीसगढ़ में कोरोना संक्रमण नियंत्रण में

» बेहतर प्रबंधन-प्रशासनिक कुशलता से जीता जाएगा जंग

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में कोरोना के खिलाफ चल रहे जंग को सफलता मिलती दिख रही है। राज्य शासन के बेहतर प्रबंधन और प्रशासनिक कुशलता के चलते कोरोना का संक्रमण काफी हद तक नियंत्रण में है। आदिवासी बहुल राज्य होने के बाद भी समय पूर्व प्रबंधन से छत्तीसगढ़ राज्य विकसित राज्यों के लिए एक उदाहरण के तौर पर देखा जा सकता है। प्रदेश के शहरी सहित दूरस्थ और वनांचल क्षेत्रों में कोरोना के खिलाफ दिखाई दे रही जन जागरूकता काबिले तारीफ है। इस कामयाबी की वजह प्रदेश में लिए गए त्वरित निर्णय और प्रशासनिक दक्षता है। प्रदेश में समय रहते ही अपनी सीमाओं को सील करने सहित कई जरूरी फैसले लिए गए यही वजह है कि राज्य में कोरोना नियंत्रण की स्थिति अन्य राज्यों की तुलना में बेहतर है। केंद्र से बेहतर समन्वय के साथ ही महामारी के नियंत्रण के लिए हर मोर्चे पर कुशलता से कार्य किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ में कोरोना के संक्रमण का पहला पॉजिटिव मामला सामने आते ही राज्य में लॉक डाउन के निर्देश जारी कर दिए।

लॉक डाउन में किराएदारों से किराया वसूली पर लगाई गई रोक

बिलासपुर (आरएनएस)। कोरोना संक्रमण के बचाव के लिए देश में किए जा रहे लॉक डाउन के बीच किराएदारों के लिए एक अच्छी खबर है। कलेक्टर के निर्देश पर किराए में रहने वाले लोगों से किराया न वसूलने का निर्देश जारी किया गया ह।

सूत्रों ने बताया कि देश में चल रहे लॉक डाउन के दौरान छत्तीसगढ़ के कई जिलों में कलेक्टरों ने मकान मालिक को किराये वसूलने पर रोक लगाई है। कलेक्टर ने निर्देशित किया है कि वो किरायेदारों से किरायों की वसूली नहीं करें।

दरअसल कोरोना की वजह से कई डाक्टरों के अलावे तंगी से गुजर रहे किरायेदारों से पैसे मांगने और नहीं देने पर मकान खाली कराने जैसी शिकायतें मिल रही थी, जिसके बाद बालोद, राजनांदगांव, बिलासपुर और कवर्धा कलेक्टर ने मकान मालिकों पर किराया वसूली पर रोक लगा दी है। बालोद कलेक्टर

रानू साहू, राजनांदगांव कलेक्टर जेपी मौर्य, बिलासपुर कलेक्टर संजय अलंग और कवर्धा कलेक्टर अवनीश कुमार शरण ने कोरोना वायरस कोविड-19 महामारी के कारण उत्पन्न परिस्थितियों को दृष्टिगत करते हुए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 में निहित प्रावधानों के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों के तहत आगामी आदेश तक किराए में रह रहे किराएंदारों को राहत पहुंचाने के लिए आदेश जारी किया है।

आदेश में कहा गया है कि कोई भी मकान मालिक द्वारा आगामी आदेश तक किराया नहीं मांगा जाएगा और ना ही किराएदारों को परेशान करेंगे। किसी भी स्थिति में मकान खाली करने की धमकी या दवाब ना डालने के लिए कहा गया है। मकान मालिक द्वारा किराया मांगकर परेशान करने पर क्षेत्र के अनुविभागीय दण्डाधिकारी को मैसेज या दूरभाष पर सुचित कर सकते है। यदि जिले में किसी भवन स्वामी द्वारा उक्त आदेश का उल्लंघन किया जाएगा तो राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 की धारा 51 के तहत दण्डात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी,जिसमें एक वर्ष तक की सजा या अर्थदण्ड या दोनों हो सकता है।

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

धमतरी (आरएनएस)। जिले के वनांचल सिहावा क्षेत्र के ग्राम टांगापानी के 35 वर्षीय गनपत मरकाम ने आज सुबह बजरंग तालाब के किनारे पेड़ पर गमछा से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उनके पिता सगराम मरकाम ने थाने में जाकर इसकी सूचना दी। उन्होंने यह भी बताया कि मृतक तमिलनाडु में बोरगाड़ी में काम पर गया हुआ था और हाल ही में 20 मार्च को वापस लौटा। चूंकि दूसरे राज्य से लौटा था इसलिए उसे स्वास्थ्य विभाग के अमले ने 22 मार्च को स्वास्थ्य जांच कर घर में रहने की सलाह दी थी। उसका नियमित जांच सुबह 8 बजे के आसपास 29 मार्च तक किया गया और उसे सर्दी, खांसी, बुखार के कोई लक्षण नहीं थे। पिता

» पत्नी की मृत्यु के बाद रहता था विचलित

ने बताया कि मृतक की पत्नी का एक वर्ष पहले देहांत हो चुका है और उनका पुत्र साथ नहीं रहता। मृतक के भाई संपत ने बताया कि 30 मार्च की सुबह 7 बजे वह बजरंग तालाब के पास पेड़ पर गमछा से फांसी बनाकर आत्महत्या कर लिया। पंचनामा में ग्रामीणों ने बताया है कि पत्नी की मृत्यु के बाद से वह काफी गुमसुम रहता था और शराब का सेवन भी करता था। 20 मार्च से शराबबंदी के बाद से और अधिक विचलित रहने लगा था। उसका घर पर किसी से लड़ाई झगड़ा नहीं हुआ था, वह गुमसुम ही रहता था।

विदेश से लौटने वालों में 52 प्रवासी भारतीय कवर्धा के

रायपुर/कवर्धा (आरएनएस)। देश में इन दिनों कोरोना वायरस का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। वहीं संक्रमित लोगों की संख्या में भी लगातार वृद्धि देखी जा रही है। देश में इस समय 1173 कोरोना वायरस के मरीज पाजीटिव पाए गए हैं, वहीं अब तक मिली जानकारी के अनुसार 27 मरीजों की मौत हो चुकी है। ज्ञातव्य है कि प्रदेश के कबीरधाम (कवर्धा) जिले 54 प्रवासी भारतीय लंदन, दुबई और रूस से वापस लौटे हैं। वहीं 4400 लोग अन्य राज्यों से कबीरधाम जिले में पहुंच चुके हैं।

छत्तीसगढ़ में 62 हजार से अधिक परिवारों को भोजन और निशुल्क राशन सामग्री का वितरण

» 'बड़ी संख्या में स्वयं सेवी संस्थाएं और संगठन जरूरतमंदों की मदद के लिए सामने आए'

रायपुर (आरएनएस)। कोरोना वायरस (कोविड-19) के संक्रमण से बचाव और रोकथाम के उपायों के तहत चल रहे लॉकडाउन के दौरान छत्तीसगढ़ के सभी शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में 62 हजार 172 गरीबों और जरूरतमंद परिवारों को निशुल्क भोजन और निशुल्क राशन सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। जिससे इन परिवारों को बड़ी राहत मिली है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सभी जिला कलेक्टरों को इस कार्य को पूरी संवेदनशीलता से करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि इस चुनौतीपूर्ण समय में कोई भी व्यक्ति भूखा ना रहे। मुख्यमंत्री के

» मुख्यमंत्री के निर्देशों पर त्वरित अमल

आव्हान पर अनेक समाजसेवी संस्थाएं गरीबों और जरूरतमंद परिवारों की मदद के लिए सामने आयी और जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर इस कार्य मे सहयोग दे रही हैं।

पूरे प्रदेश में 62 हजार 172 लोगों को भोजन और राशन सामग्री उपलब्ध कराई गई है। प्रदेश में संबंधित जिलों में जिला प्रशासन द्वारा 14 हजार 467 व्यक्तियों और 4015 परिवारों को निशुल्क राशन सामग्री वितरित की गई है, जबकि 28 हजार 227 लोगों के भोजन की व्यवस्था की गई है। समाजसेवी संगठनों द्वारा पूरे प्रदेश में 18 हजार 638 व्यक्तियों और 18 हजार 097 परिवारों के लिए भोजन और निशुल्क राशन सामग्री का प्रबंध किया गया है। इनमें से राजधानी रायपुर में 9 हजार व्यक्तियों और 22 हजार परिवारों को भोजन और राशन सामग्री उपलब्ध कराई गई है। रायपुर में 9000 लोगों के लिए भोजन की व्यवस्था की गई है।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठन सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी ठाकुर्दे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जायेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जायेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जायेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियां की जायेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तो का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जायेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जायेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जायेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जायेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुंचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जायेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जायेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address :: Behind Stadium Near Career School, Raigarh, C.G. Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU